Daily Live
12:00PM

FILLERFORM LIVE

NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य(PAPER -2)

इकाई -8 (हिंदी नाटक)

समस्त नाटकों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

BY JYOTI MA'AM

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

इकाई –VIII हिन्दी नाटक

भारतेन्दु – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा

जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी

धर्मवीरभारती – अंधायुग

लक्ष्मीनारायण लाल – सिंदूर की होली

मोहन राकेश – आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन

हबीब तनवीर – आगरा बाज़ार

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – बकरी

शंकरशेष – एक और द्रोणाचार्य

उपेन्द्रनाथ अश्क – अंजो दीदी

मन्नू भंडारी – महाभोज

8209837844

www.ugc-net.com

इकाई -8 (हिंदी नाटक)
समस्त नाटकों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

8209837844

www.ugc-net.com

1. अंधेर नगरी

रचनाकार. प्रकाशन वर्ष

भारतेंदु हरिश्चंद्र 1881ई०

प्रमुख पात्र भूमिका

महंत - साधु

नारायण दास - महंत का दूसरा शिष्य

कल्लू बनिया - जिसकी बकरी मरी

कोतवाल - कोतवाल

चोर सिपाही - राजा के सिपाही

फरियादी - राजा से न्याय मांगने वाला

गोबर्धन दास - महंत नक लोभी शिष्य

राजा चौपट - न्याय और अन्याय में फर्क

8209837844 www.ugc-net.com

नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1)हास्य व्यंग्य से परिपूर्ण
2)सामाजिक ,राजनीतिक परिवेश पर कटाक्ष किया गया है।
3)मूल्यहीन,अमानवीय और अराजक प्रणाली का प्रस्तुतीकरण
4)शासन की अन्धव्यवस्था सामने लायी गयी है।
5)विवेकहीन और गर्व राज व केवल अपना बल्कि पूरी प्रजा के नाश का कारण बनता है।

8209837844

www.ugc-net.com

2)भारत दुर्दशा

रचनाकार — प्रकाशन वर्ष

भारतेंदु हरिश्चंद्र। — 1880ई०

*प्रमुख पात्र — भूमिका

भारत - नायक

भारत दुर्देव - खलनायक

सत्यनाश ,आलस्य,मदिरा - भारत दुर्देव के सहयोगी

भारत भाग्य - भारत का सहयोगी मित्र

नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1)प्रतीकों के माध्यम से भारत की तत्कालीन स्थिति का चित्रण

2) युगीम इन समस्याओं को उजागर व समाधान बताया गया।

3) भारत वासियों की दुर्दशा पर रोने तथा इसका अंत करने का प्रयास।

4) ब्रिटिश राज को इस दुर्दशा का कारण बताया गया।

5) भारत में पहली कृतियों पर प्रकाश डाला गया।

8209837844 www.ugc-net.com

3)चद्रगुप्त मौर्य

रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
जयशंकर प्रसाद	1931ई०

प्रमुख पात्र — **भूमिका**

अलका - गंधार नरेश की पुत्री और आम्भीक की बहन
मालविका - सिंधु देश की कन्या
कार्नेलिका -सेल्युकस की पुत्री
चंद्रगुप्त - नायक
चाणक्य - प्रमुख पात्र(चद्रगुप्त का मंत्री)
सिंहरण -गौण पात्र
पर्वतेश्वर(पोरस) - पंजाब का राजा

8209837844 www.ugc-net.com

नाटक के महत्वपूर्ण बिंदू-

1)चार अंको में विभाजित
2)इतिहास की तीन घटनाओं तर्क के आधार विभाजित
3)चंद्रगुप्त मौर्य के उत्थान की कथा
4)चाणक्य के प्रतिशोध की कहानी
5)त्याग,बलिदान व राष्ट्रीय एकता की कहानी

8209837844 www.ugc-net.com

4 .स्कंदगुप्त

रचनाकार — प्रकाशन वर्ष

जयशंकर प्रसाद। — 1928ई०

*स्कंदगुप्त - नायक

कुमारगुप्त - मगध का सम्राट

धातुसेन - सिंहल का राजकुमार

देवसेना - बंधुवर्मा की बहन

विजया - मालव के धबकुबेर की पुत्री

मालिनी - मातृगुप्त की प्रवयिनी

8209837844 www.ugc-net.com

*नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1)पांच अंको म् विभाजित
2)एतिहासिक सांस्कृतिक परम्पराओं को दर्शाया गया
3)स्कंदगुप्त के जीवन पर आधारित
4)श्रृंगार मूलक राष्ट्र प्रेम की संवेदना का प्रदर्शन

8209837844 www.ugc-net.com

5) ध्रुवस्वामिनी

रचनाकार — प्रकाशन वर्ष

जयशंकर प्रसाद — 1933 ई०

*प्रमुख पात्र- भूमिका

ध्रुवस्वामिनी - प्रधान नारी पात्र

मंदाकिनी - काल्पनिक पात्र

चंद्रगुप्त - नायक

रामगुप्त - थलनायक

8209837844 www.ugc-net.com

*नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1)तीन अंको में विभाजित
2)गुप्तकाल से सम्बंधित
3)राष्ट्रप्रेम,न्याय के प्रति जागरूक करना
4)स्त्री को वीरांगना के रूप में दर्शाया गया।

8209837844 www.ugc-net.com

6)अंधायुग

रचनाकार		प्रकाशन वर्ष
धर्मवीर भारती।		1955 ई०
पात्र		भूमिका
कृष्ण		नाटक के प्रमुख पात्र
अश्वथामा	-	अन्य
युधिष्ठिर	-	अन्य
धृष्टरास्ट्र	-	अन्य
गांधारी	-	अन्य
कृपाचार्य	-	अन्य
विदुर	-	अन्य

8209837844 www.ugc-net.com

- **नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु**
- 1)गीतिकाव्य
- 2)महाभारत के युद्ध के अठारवे दिन की कथा
- 3)संवाद मुक्त छंद और तुकांत कविता का मिश्रण
- 4)कृष्ण के मृत्यु तक के क्षण वर्णित

8209837844 www.ugc-net.com

7)सिंदूर की होली

रचनाकार — प्रकाशन वर्ष

लक्ष्मीनारायण मिश्र- 1934ई०

प्रमुख पात्र। — भूमिका

मुरारीलाल — डिप्टी कलेक्टर

चंद्रकला — मुरारीलाल की पुत्री

भगवंत सिंह — रजनीकांत का हत्यारा

रजनीकांत - चन्द्रकला क् प्रेमी

मनोरमा - अन्य

8209837844

www.ugc-net.com

*नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1)रोमांटिक भावुकता का प्रदर्शन
2)विधवा विवाह के बारे में जागरुकता
3)दो विचारधराओ की टकराहट
4)व्यक्तित्व के विविध तत्त्वों का समावेश।

8209837844

www.ugc-net.com

8)आधे अधूरे

रचनाकार — प्रकाशन वर्ष

मोहन राकेश — 1969 ई०

प्रमुख पात्र। — भूमिका

सावित्री - पत्नी

बिन्नी - सावित्री की पुत्री

किन्नी - सावित्री का हत्यारा

अशोक - सावित्री का पुत्र

महेंद्र नाथ - सावित्री का पति

8209837844
www.ugc-net.com

- **नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु**

1)परिवार के महत्व को बताया गया।
2) आधुनिक परिवारों में कलह के कारण को उजागर किया।
3)पारिवारिक माहौल से च्चों पर पड़े प्रभाव को दिखाया।
4)साधारण मध्यमवर्गीय भारतीय परिवारों को मिश्रित।

8209837844

www.ugc-net.com

9- आषाढ़ का एक दिन

*रचनाकार प्रकाशन वर्ष
मोहन राकेश। 1958 ई०

*प्रमुख पात्र भूमिका
कालिदास नायक
अंबिका - मल्लिका की माता
मल्लिका- कालिदास की प्रिय
श्री प्रियमंजरी- कालिदास की पत्नी
विलोम - ग्राम का एक पुरुष

8209837844

www.ugc-net.com

- **नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु**
- 1)कालिदास के जीवन पर आधारित
- 2)प्रेमकथा
- 3)समसामयिक स्थितियों का वर्णन
- 4) उपस्थ प्रेम का चित्रण

8209837844

www.ugc-net.com

10) आगरा बाजार

रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
हबीब तनवीर।	1954 ई०

प्रमुख पात्र	भूमिका
ककड़ी वाला।	मुख्य
पुलिस वाला	अन्य
तरबूज वाला	अन्य
कनमेलिया	अन्य
हमजोली	अन्य

8209837844
www.ugc-net.com

- **नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु**

1)राजनीतिक और आर्थिक क्रियाकलापों पर आधारित है

2) साधारण व्यक्ति की परिस्थिति का चित्रण

3) निम्न वर्ग व उच्च वर्ग के बीच अंतर

4) भ्रष्ट आचरण

8209837844

www.ugc-net.com

11) बकरी

रचनाकार प्रकाशन वर्ष

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 1974ई०

प्रमुख पात्र	भूमिका
नट	अन्य
भिस्ती	अन्य
दुर्जन सिंह	अन्य
कर्मवीर	अन्य
विपती।	अन्य

8209837844
www.ugc-net.com

- **नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु**
- 1)साधारण व्यक्ति के शोषण की कथा
- 2) राजनीति लोगों द्वारा जनता का शोषण
- .3)अपने कुकृत्यों को छुपाने के लिए गांधी के सिद्धांतों का सहारा
- 4)भ्रष्ट शासन

8209837844

www.ugc-net.com

12. एक और द्रोणाचार्य

रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
शंकर शेष	1927ई०
प्रमुख पात्र	भूमिका
अरविंद	शिक्षक
विमलेन्दु	शिक्षक
लीला	अन्य
अनुराधा	अन्य
द्रोणाचार्य	अन्य
अश्वत्थामा	अन्य

8209837844

www.ugc-net.com

नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1.इस नाटक में मूलतः दो समस्याओं को उठाया गया है एक शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनाचार और दूसरी वेतन भोगी माध्यम वर्ग में जीवन जीने वाले अध्यापक के अस्तित्व की समस्या है|

2. यह दोहरे कथा प्रसंग को लेकर चलने वाला आधुनिक चेतना का प्रभावशाली प्रयोग की नाटक है|

8209837844

www.ugc-net.com

13. अंजो दीदी

रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
उपेंद्रनाथ अश्क	1955 ईस्वी
प्रमुख पात्र	भूमिका
अंजलि	मुख्य पात्र
श्रीपत	अन्य
नीरज	अन्य
इंद्रनारायण	अन्य
नौकरानी	अन्य

8209837844

www.ugc-net.com

नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1.अंजलि को प्रधान पात्र बनाकर नाटककार उपेंद्रनाथ अश्क मनोविज्ञान के आधार पर उसकी मनोवृत्तियों को शोधन किया है |

2. एक पात्र इस पात्र द्वारा नाटककार यह सिखाना चाहता है कि जो जैसा है वैसा ही रहे |

3. जब कोई भी आदमी अपनी वास्तविक मनोवृति का उल्लंघन करता है तब वह जीवन में सफलता प्राप्त करता है|

8209837844

www.ugc-net.com

14. महाभोज

रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
मन्नू भंडारी	1979ई०

प्रमुख पात्र	भूमिका
बिसैसर उर्फ बिस्सू	मुख्य पात्र
सक्सेना	पुलिस अधीक्षक
अधिकारी	अन्य

8209837844
www.ugc-net.com

नाटक के महत्वपूर्ण बिंदु

1.मन्नू भंडारी द्वारा लिखित 'महाभोज' पहले उपन्यास के रूप में छपा तत्पश्चात नाटक के रूप में आया |

2. यह हिंदी साहित्य की एकमात्र कृति है जो उपन्यास व नाटक दोनों ही रूपों में मंच पर सफलतापूर्वक मंचित हुई|

3. महाभोज का बीजसूत्र 1977 में घटित बिहार के पटना जिले का बेलछी नरसंहार है इस नाटक के मूल में भारत की आजादी के सपनों से मोहभंग, कानून और न्याय व्यवस्था के पतन, सत्ता और व्यवस्था का अपराधीकरण अमानवीयता तथा जनता का कुल वोटर के रूप में परिणत होना है|

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com